B.Ed 2nd year   12/05/2020

समावेशी शिक्षा   Tuesday

एक आदर्श समावेशी विद्यालय निर्माण हेतु शिक्षण

कुछ अच्छी कक्षा-कक्ष पद्धतियाँ समावेशन की एक अहम विशेषता बन जाती है, जहाँ प्रत्येक बच्चा उद्देश्यों की प्राप्ति/पूर्ति के लिए अपनी योग्यता एवं रुचि के अनुसार कार्य करता है।

समावेश का अर्थ है, कि सभी विद्यार्थी जहाँ तक सम्भव हो सके, विद्यालय में सुरक्षित एवं स्वीकृत महसूस करें। बच्चों की अधिगम योग्यताओं को बढ़ाना एक अध्यापक का विशिष्ट कर्तव्य है।

अच्छी कक्षा - कक्ष पद्धतियाँ

(1) सहभागी शिक्षण / सह शिक्षण।
(2) सम्पूर्ण कक्षा - शिक्षण।

सम्पूर्ण कक्षा-कक्ष में अन्तः क्रियाएँ

भाषण (कोई अन्तः क्रिया नहीं)
↓
प्रश्नों का चयन।
↓
प्रश्न पूछना
↓
प्रश्नों पर केन्द्रीयकरण
↓
पूर्ण अन्तः क्रिया

(3) गतिविधि आधारित अधिगम।
(4) व्यक्तिगत शिक्षा।
(5) कार्य करके सीखना।
(6) अधिगम तत्परता की आवश्यकता।
(7) पुनरावृत्ति और अभ्यास।
(8) योजना विधि।
(9) कक्षा प्रबन्धन।
(10) सहायक तकनीकी उपकरणों का उपयोग।
(11) बैठने की व्यवस्था → कक्षा कक्ष में नियन्त्रण एवं अनुशासन।
→ बच्चों को पंक्तियों में बैठाना।
→ विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों को श्यामपट्ट पर आसानी से दिखाई देना।

Scanned with CamScanner

प्रभावशाली अध्यापक के लिए माध्यमिक स्तर पर समावेशी कार्यक्रम

(1) बहुस्तरीय अनुदेशन।
(2) अधिगम के लिए सार्वभौमिक प्रारूप।
(3) प्रत्यक्ष अनुदेशन।
(4) पाठ्यचर्या आधारित आंकलन।

↓

(1) उपयुक्त भवन (विद्यालय) की व्यवस्था।
(2) प्रशिक्षित शिक्षकों की व्यवस्था।
(3) चिकित्सक की उपलब्धता।
(4) खेल का मैदान।
(5) छात्रावास की व्यवस्था।
(6) शौचालय की व्यवस्था।
(7) उचित फर्नीचर की व्यवस्था।
(8) आवश्यक शैक्षिक उपकरणों की व्यवस्था।
(9) पुस्तकालय एवं प्रयोगशाला की उचित व्यवस्था।

⇒ आधुनिक समय में समावेशी विद्यालय की भूमिका

↓

⇒ पूर्ण समावेशी विद्यालय और सामान्य / विशिष्ट शिक्षा नीतियाँ

↓

⇒ समावेशी कक्षाओं में छात्रों के लिए प्रभावी शिक्षण पद्धतियाँ

↓

(1) ⇒ संवादात्मक शिक्षण।
(2) ⇒ वैकल्पिक शिक्षण।
(3) ⇒ समानान्तर शिक्षण।
(4) ⇒ स्टेशन शिक्षण।
(5) ⇒ व्यवसायों के मध्य सामन्जस्य।
(6) ⇒ विभिन्न प्रकार के खेलों का आयोजन।
(7) ⇒ कैरियर सलाहकार।

End